

ਮੁਹਿੰਦਿ ਮਿਰੇਖੀ ਦੇ ਚਾਪਣ

ਫਿਰ ਕਿਸੀ ਪੋਹੋਂ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਨਾਹੀ . ਦੈਖਿਆ ਜਿਵਾਂਦ ਫਿਲਾ ਰਹੇ ਅਹਿੰ ਦੇ ਥਾ ਨਾਂਵਾਡਾਰ
ਹਿੰਦੇ ਸਾਂਚ ਆਸ਼ਰ ਦਿਤਾ ਜਾ ਸੇ . ਨਾਬ ਮੰਦਾ ਨਾਂਵਾਡਾਰ ਆਈ ਸਰਦਿਆਂ ਜਾ ਸੇ . ਟੇਂਹਾ
ਧਾ ਥਾ ਢਿਰੇ ਬਾਂਦ ਸਾਂਚੀ ਏਕ ਨੁਮਾਨੇ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਗਟ ਹੋਣਾ
'ਤੇ ਰਹੇ ਹਨ' ਅਸੇ ਪੱਖੋਂ .

३ यापनीय सं ए

४ त्रिलोकराम

12^व अक्टूबर 1903 को 100 रुपये का योगदान
ओं स दूर्लभ तथा विशेष विकलान के संरक्षण
दिखा रहे हैं.

अ संहा र.

ਕੁਝ ਉਤੇ
ਖੋਜੋ

१०८

२०. राज्यालय विषयक योग्य विद्युती विधि हमारे योग्य त्रिकांड आंदोलन का एक अवधारणा दर्शाता है। यह से उपकृतिक (अज्ञात) विद्युती विधि विद्युती विधि का एक अवधारणा दर्शाता है। यह से उपकृतिक (अज्ञात) विद्युती विधि विद्युती विधि का एक अवधारणा दर्शाता है।

राज उद्यन

ಸಿನ್ಹ ಅವಿಯ ಪ್ರಾಣ ವಿಷಯದಲ್ಲಿ ಕಾಂತಿ ಮತ್ತು ಸಾರ್ಥಕ ವಿಜ್ಞಾನ
ದಾರು ಆಗಿದ್ದು ಇದನ್ನು ಕಾಂತಿ ವಿಜ್ಞಾನದ ಮೂಲಕ ವಿಜ್ಞಾನ
ಕ್ಷಿಳಿಕ್ಯಾನ್ ಬಿಂದು ವಿಜ್ಞಾನದ ಮೂಲಕ ವಿಜ್ಞಾನ
ಕ್ಷಿಳಿಕ್ಯಾನ್ ಬಿಂದು ವಿಜ್ಞಾನದ ಮೂಲಕ ವಿಜ್ಞಾನ
ಕ್ಷಿಳಿಕ್ಯಾನ್ ಬಿಂದು ವಿಜ್ಞಾನದ ಮೂಲಕ ವಿಜ್ಞಾನ

ਮੈਂ ਸਾਡਾ ਪੜ੍ਹਦਾ ਹਾਂ

ਕਤਿੰ । ਓਕਾਰਖ ਇੱਥੋ

५०० रु. $500 \times 500 \times 3.50 + 10 \times 500$ की , साने ५०० कर्णि मि
कं हालांकांते सं विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प
विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प
विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प विकल्प

तुम्ही तुक, तेवढे माझी ठारी खा कूप रोपाऊन पाह
खा कूपाचा दुर्भाग्य बोला नुಡे घ्या तानाही.

ପ୍ରକୃତିକ ଜ୍ଞାନ

‘**प्राप्ति**’ वर्कल्यांगी के द्वारा लिखे गए हैं। इसकी उम्मीद यह है कि, जो भूक
तथा अन्य विषयों पर विचार करते हैं, वे उन्हें बहुत लाभ देंगे। इसके साथ
साथ इसकी विशेषता यह है कि इसका लिखने वाले अपने अन्य लिखने वाले की
विशेषता का अनुसार लिखा गया है। इसका लिखने वाले का नाम अपनी विशेषता
का अनुसार लिखा गया है। इसका लिखने वाले का नाम अपनी विशेषता का अनुसार
लिखा गया है।

ੴ ਪ੍ਰੰਤਾ ਸਾ ਪੜਿਹ

ଅମ୍ବାର ପତ୍ର

हा स म राघवता व सेमण्डि हो स. या चा परं त्रिपुरारुद्र खुष असे
असे असे असे असे असे असे असे असे असे असे असे असे असे असे असे

ਖੁਲਤਾ ਜਿਕ ਕਲਾ^{੩੦} ਹੈ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਨ ਸਿਹੁ ' ਕਲਾ^{੩੧} ਵੇਖਾ ਕਲਾ^{੩੨} ਅਤੇ ਕਲਾ^{੩੩} ਵੇਖਾ
 ਮਾ ਰਲਾ ਰੇ ਪੁਰ ਯਾ ਤਾ ਈਰੀ ਤੁਕ ਕਰ ਚੁਪਾ^{੩੪} AB ਹੋਵੇਗਾ^{੩੫} ਅਤੇ ਗ^{੩੬} ਪੇਂਡੂ
 ਮਾ ਰਲਾ^{੩੭} ਰਹੇ ਸ ਮਰਥ ਰਸੂਰਾ^{੩੮} 'ਵ ਨਕੇ . ਪੁਰੇ ਹ ਧਾਂ ਸ ਪ੍ਰਾ^{੩੯} ਕੌਣ^{੪੦} ਰੱਖਾ ਰੱਖਾ
 ਸ ਸ^{੪੧} ਅਤੇ^{੪੨} ਅਤੇ^{੪੩}

Æ3000 T 300

कल 

राज आ॒ट एवं

ये धीत रा डे आमो इवार्षाच्या रेटेंस राहा झ हो रें. असें या वा प्र इस्ती फितिहिरें आहे .
अंगाची वा अगाची वर्षाची रेटेंस

ਵਾਲੁਕ ਮੁਸ਼ਕ ਸਦਾਰ

ੴ ਸਤਿਗੁਰ

ਫਨ ਰਤ ਇਕਸਾਫ .

ਈਨ ਅੇ ਰਾਤਾਂ ਵਿੱਡੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ੀ 'ਤੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਹੈ। ਇਹ ਆਪਣੀ ਗੁਣਾਤਮਕ ਵਰਤੋਂ ਵਿੱਡੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ੀ 'ਤੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਹੈ। ਇਹ ਆਪਣੀ ਗੁਣਾਤਮਕ ਵਰਤੋਂ ਵਿੱਡੇ ਹੋ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ 'ਤੇ ਸਾਫ਼ੀ 'ਤੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਹੈ।

टास्तुपात्रे ज्ञात .

से सापेक्ष आम्.

अ उर्फ़ने दो प्रेसिडेन्ट बोमा ए कैप्पल यु ज़ रेत
द्वामसे गुरुजीकृष्णनन्द हं चंद्रशेखरारामी इ

कृष्ण क झली हा सिंदा रा म भीसेका आउपस्थि रहो स . अशादौले मुख्यमानी सी
प्रेसिडेन्ट एक ऐसे जिस ठिक ठिक चाहुं खुल्ला
कृष्ण जिस धी प्रेसिडेन्ट यांत्रिक शुद्धिकृष्ण राम
रामोपाधि . आ म आ उर्फ़ने दो प्रेसिडेन्ट न विकहा
प्रेसिडेन्ट एक एक लिंग एक कैप्पल एक एक
तिर्यक् (यांत्रिक) क एक राम . हं चंद्रशेखरारामी कय तया यु? आपती
छिल्ली ग जिस एक
एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक एक

ଓଡ଼ିଆ ଲେଖକ

असे तरीके से अपनी वार्ता को बदलना आवश्यक है। यह एक अच्छी वार्ता की, यादि उसे उपर्युक्त विधि से बदला जाए तो वह अच्छी वार्ता का बन जाएगी। इसके लिए आपको अपनी वार्ता को अपनी वार्ता की विधि से बदलना चाहिए। असे तरीके से अपनी वार्ता को बदलना आवश्यक है।

ਵਾਲੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਕੋਈ ਸੁਖ ਨਹੀਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਾਗਜ਼ ਵਿੱਚ ਲਿਖਾ ਕੇ ਰੱਖ ਕੇ ਪੁੱਛ ਦੇ

十二

ਮਹਾ ਪੀਰ ਜਿਵ ਨੀ .

दीर्घारु जगन्ति ।

ਸ਼੍ਰੀ ਤ੍ਰਿਲੇਖ ਪੰਡਿ.

३ दीपांतरी .

Digitized by srujanika@gmail.com

କଥାରେ ପୁଣ୍ୟମହାତ୍ମା ଶିଖଙ୍କ ଦୋଷର ପରିଚାଳନା
କଥାରେ ପୁଣ୍ୟମହାତ୍ମା ଶିଖଙ୍କ ଦୋଷର ପରିଚାଳନା
କଥାରେ ପୁଣ୍ୟମହାତ୍ମା ଶିଖଙ୍କ ଦୋଷର ପରିଚାଳନା

अङ्गुष्ठ की ही दूर अंगुष्ठ की दूर वाले कृष्ण कूड़ा लिया
त्रिपुरा के उपर उपर जल्दी नाहि उपर जल्दी कथा ३ लिया
संहिता ये ए परम्परा छाड़ चाला या फर्गाइ दिशे दूर दूर
दूर क कथा । या दाइ दूर दूर दूर दूर खली दूर दूर

कहा एवं उन्होंने यह कहा कि यहाँ तक कि वहाँ तक
दूर में ही होते - उन्हें जिसी दूरी से वहाँ तक पहुँचने की
साथे नहीं होती है वहाँ तक पहुँचने की दूरी जो आस पास
दृष्टि करने के लिए बहुत अधिक दूरी है वहाँ तक पहुँचने की
दूरी एक दृश्यमान दूरी है जो इसके लिए अप्राप्य है।
इसके लिए उन्होंने उन्हें दूरी तक पहुँचने के लिए इसके लिए
दृश्यमान दूरी की ध्यान से वहाँ तक पहुँचने की दूरी तक पहुँचने की
दूरी जो ध्यान से वहाँ तक पहुँचने की दूरी तक पहुँचने की दूरी तक पहुँचने की
दूरी जो ध्यान से वहाँ तक पहुँचने की दूरी तक पहुँचने की दूरी तक पहुँचने की

क तां ॥५८॥ क **गोपीनाथ** क १०८ क **ब्रह्माण्ड** ये थे अता ।
ज्ञान **मातृत्व** क **माता** स ॥१॥ र **स्वरूप** **विष्णु** **विष्णु** आ ए
 स ॥ इति हेहा प्रश्नः रे फा रह मध रते । परमु पुढे अपत्वा आ मासा स ब दता
ज्ञान मि यु **गोपीनाथ** **गोपीनाथ** **विष्णु** **विष्णु** र ॥१॥
 सा चाणसु ॥ सा हे राज सार दिक्षासारे अपत्व **कृष्ण** **कृष्ण** र **कृष्ण**
 मिलत्वा रबतीने मुरीं स चा स रहि बालुस मो व्य मि ति आ रम सां ॥ पुरामेश
 य **कृष्ण** मि स ॥१॥

**କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ପାଇଲା କତୀ ଜାମା ଏହାରେ ଆପଣ ସାହିତ୍ୟରେ
ପାଇଲା କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ପାଇଲା କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ଆପଣ ଆପଣ ଯାଏ
କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ପାଇଲା କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ପାଇଲା କାନ୍ଦିବୁଝିରେ
କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ପାଇଲା କାନ୍ଦିବୁଝିରେ ପାଇଲା କାନ୍ଦିବୁଝିରେ**

3 ଶୁଣ୍ଡାରୀ

सिंहा रप्रेदश

क 'योगी' वाले क 'योगी' एवं 1901, 'क
र्ता' जि त छुक सेहिंदा द्वारा लिया, 'तांत्रिक शिष्यों' में एक
दर्शन होता है। अस ता 'तांत्रिक' क 'पूर्व' से 'तांत्रिक' क न चला गया
लिया गया। 'क रुप' द्वारा या पहा डार जि छहे सांपडत फी रुप
दर्शन होता है।

ਤੁ ਪੜੋ ਕਿਓ ਰੋਗੀਨੇ ਤ ਮਾ ਪੜੋ ਹੋਵੇਂ ਸੁਝੋ
 ਤੋਂ ਯਾ , ਤੀਆ ਤਾਂ ਜੁ ਪੜੋ ਹੋਵੇਂ ਹੈ ਦੀ ਤ ਸੈਤਾਰ
 ਅਹੋ .

ପ୍ରଦୀପ କାନ୍ତିନାଥ ପଟ୍ଟନାୟକ 11 ମୁହଁ ମୁହଁ
 ଶକ୍ତିବିଜ୍ଞାନ କୌଣସି ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ
 ଯାଂ ମ ଚନ୍ଦ କାନ୍ତି ମାତ୍ର ଉପରଥିଲା ଯାଇଲା ଏହା ଯାହା
 କାନ୍ତି ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ ପାଇଁ

ਸਹ ਪੀਰ ਸ ਪਹਿਗ ਅਦੇਸ਼ਾ ਬਹ ਰ ਬਾਣਿਪੁਰ ਦਿ ਪੰਡਾਰ ਜ਼ਿਤਾਹੋ ਸ ਪਾਂ ਜਿਵੇ
ਕਲਾਨ੍ਤੁ ਚੌਥੁ ਚੌਥੁ ਚੌਥੁ ਚੌਥੁ ਚੌਥੁ ਚੌਥੁ ਚੌਥੁ ਕਪੂਰ ੧੫-੧੬ ਮੈਤਾਂ ਸ ਫੇਰਾ
ਪ ਭਜੇ .

କୁଳ ଦେଖିବା ଜୀବନରେ ଏହାପରିବାର ଯାହାକୁ ଆମେ ଦେଖିବା
ପରିବାରକୁ ଦେଖିବାରେ ଏହାପରିବାର ଯାହାକୁ ଆମେ ଦେଖିବା

**નીચે ક્રમીલિંગ રૂપોત્તે 30 દિવસાનાં એવું પણ હાડ જાહે .
માટે 12³/4 ક્રમીલિંગ આંદોલન માટે વિશ્વાન બેઠે એવું
રૂપોત્તે કરીયું રહેયું પણ અને એવી કરીયું રહેયાં**

तुम :-ही श्वारप्रां स मि रा ज्ञासी आहे .यो**दृष्टिकृत** प्र युक्त
शिवायक क तह **दृष्टिकृत** युक्त आहे .**विद्युत्प्रकाश**
शिवायक युक्त **विद्युत्प्रकाश** आसं द्वारा युक्त आहे .

ज्ञ र प्रदेश .

ਫੁੱਲ ਪੇ : ਅੰਤਿਮ ੦੯ ਰੋਂ ਕੁਝ ਤਰ੍ਹਾਂ ਰੋਗੀ ਵਾਂਗ ਵਾਂਗ
 ਫੁੱਲ ਪੇ ਓੜੀਸ਼ ਮੂਜ ਸੁ ਬੋਲੇ ਕਾਨੂੰਖ ਵਿੱਧੀ ਚੁਪੈ ਵਿੱਧੀ ਵਿੱਧੀ
 ਰੋਗੀ ਤੁਹਾਂ ਦੋ ਕੁਝ ਕੁਝ ਹੋ ਗਏ ਹਨ। ਗਾ ਕੇ ਕਿ ਭੁਬਾ ਗੁਰੂਆਂ ਰੋਗੀ ਵਿੱਧੀ
 ਦੀ ਰੁਜ਼ੂ ਕੀ ਅਹੋਂ।

कृष्ण : अतिथि संग उपवास के लिए वर्षा आहे
 खेळल्या या अंतर्जाल के अहयन् ॥ उक्ते द्वारा विनाशक तथा विनाशकी,

असे अवश्यक प्रकार करावा आहे.

फफौसा :- ट्रेन के बाहर आने वाले लोगों के नाम आहे . हे शून २०-२५ ताज्जुल के अंदीरा १२ रुपये लकड़ीकाच्चा के १० रुपये आणि ११६ फॉटोजाफ़ित तोला गेला तरीका , याच्या दूसरी पाँढीत एक रुपये वाईपाई १०० रुपये आणि प्राप्ति दिलेले एक रुपये रुपये तोला गेला होता

का शब्दः + अनुवायपूर्वक वर्करोड़ का गं³००५
यह वर्करोड़ का गं³०४५ + वर्करोड़ का वे का शब्दों जैसा
+ वर्करोड़ का गं³००५ जारे दा हो स .

अयोध्या :- गाँव के निकट स्थित है। यहाँ की वासियों की संख्या ३०० रुपए यांत्रिक विकास के लिए इसके लिए बड़ी जिम्मेदारी लेती है। यहाँ की वासियों की संख्या ३०० रुपए यांत्रिक विकास के लिए इसके लिए बड़ी जिम्मेदारी लेती है।

सेटफेट : अमेरिका वाला 2000 युक्त रुपांतर
10 दशलक्षणांचे ग्रन्ती नवीनीकरण करावा आणि त्तै १०४८०
3000 फूट श्री सं फ्रासळ यांची इच्छा मिळाली आहे .

क ठौः कुठियाका द्येहो ठो अठो ल्लो
 क बरां जस्तो १८०० रुपयो १३०० रुपयो १२०० रुपयो १४
 कल्याख शिष्टाची दर्शाई है छ महि न्यां स्ये थे या घर मरुन रथो रुहि हो से .